केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 109 बुधवार 11 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नगर थाना प्रभारी लाइन हाजिर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाने के प्रभारी रामप्रसाद यादव को एसपी ओमवीर सिंह ने लाइन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ लगातार मिल रहीं शिकायतों के साथ ही कुढ़वा गांव में हुई दो घटनाओं में लापरवाही बरतने का आरोप है। उनकी जगह न्यायालय सुरक्षा में तैनात निरीक्षक मनोज कुमार सिंह को नगर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर थाना प्रभारी रामप्रसाद यादव की कार्यशैली को लेकर पिछले काफी समय से क्षेत्र में नाराजगी की चर्चाएं थीं। उनके खिलाफ मनमानी कार्यशैली, फरियादियों के साथ अभद्र व्यवहार और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगते रहे। कार्यप्रणाली का मामला जनप्रतिनिधियों तक भी पहुंच चुका था।

महादेवा विधायक दूधराम ने भी पूर्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर नगर थाना प्रभारी को हटाने की मांग की थी। विधायक ने उन पर जनता के साथ दुर्व्यवहार, जबरन वसूली और उत्पीड़न समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। इन सबके बीच सोमवार को थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव में दो समुदायों के बीच हुई दो अलग–अलग घटनाओं को लेकर भी पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे थे। आरोप था कि इन मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से विवाद बढ़ता चला गया। मामला तूल पकड़ने के बाद अधिकारियों ने इसकी जांच कराई। बताया जा रहा है कि सीओ कलवारी वृजेश सिंह की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने एसएचओ नगर को लाइन हाजिर कर नया थाना प्रभारी नियुक्त कर दिया है।

नशे में धुत पति ने पत्नी को घर से निकाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के नरोत्तमपुर गांव में शराब के नशे में धुत पति ने घरेलू विवाद को लेकर पत्नी को लाठी–डंडे से मारपीट कर घायल कर घर से निकाल देने का मामला सामने आया है।इसी गांव की रहने वाली अंकिता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनके पति इन्द्रजीत शराबी किस्म के व्यक्ति हैं। आए दिन नशा करके उन्हें और उनके बच्चों को मारते–पीटते हैं। पति इन्द्रजीत ने शराब के नशे में धुत होकर घरेलू विवाद को लेकर उन्हें अपशब्द कहते हुए लाठी–डंडे से मारापीटा। जिससे उन्हें काफी चोटें आईं। कप्तानगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

कबाड़ की दूकान में लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के मूडघाट मोड़ पर अंडरपास के समीप सोमवार शाम अज्ञात कारणों से कबाड़ की एक दुकान में आग लग गई। दुकान से उठती ऊंची लपटें देखकर आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक दुकान से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। दुकान में रखे कबाड़ के सामान में आग तेजी से फैलने लगी। लोगों ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

घटनास्थल के ठीक बगल में एक मार्केट है, जबकि दुकान के आसपास कई मकान भी स्थित हैं। ऐसे में आग की लपटें आसपास की दुकानों और मकानों तक पहुंचने की आशंका से लोग चिंतित नजर आए।

सरकार का अगला लक्ष्य दिमागी नक्सलियों को खत्म करना है–किरन रिजिजू

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि सरकार का अब अगला टारगेट उन लोगों को खत्म करना है, जो हथियार तो नहीं उठाते, लेकिन उनके दिमाग में नक्सली सोच भरी हुई है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश से हथियारबंद माओवादियों को





लगभग खत्म कर दिया है, इसके लिए राहुल गांधी को मोदी का धन्यवाद करना चाहिए। रिजिजू ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि राहुल जी, हथियारबंद माओवादियों को खत्म करने के लिए मोदी जी को धन्यवाद। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी ने खुद लेफ्ट–विंग एक्सट्रीमिज्म और नक्सलवाद को भारत के लिए 'सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा खतरा' बताया था। अब अगला लक्ष्य दिमागी नक्सलियों को खत्म करना है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सीआरपीएफ के जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की 'दिमागी नक्सली' वाली टिप्पणी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने जवानों से कहा कि प्रधानमंत्री के बयानों पर आप लोग विश्वास नहीं करते। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि जवानों के चेहरों से साफ पता चल रहा था कि वे मोदी के झूठ को नहीं मान रहे हैं।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने सीआरपीएफ को टैग करते हुए लिखा था कि आपके चेहरे सब कुछ कह रहे थे। आपने प्रधानमंत्री के झूठ पर यकीन नहीं किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर से खुली चुनौती देते हुए कहा कि उन्होंने हमें नक्सल कहा। मेरी चुनौती कायम है।

दीपावली में घर आये राष्ट्रपति के अंगरक्षक को गोली मार कर घायल किया

बागपत (आभा)। दीपावली की रात गोपालपुर खड़ाना गांव में पटाखे छुड़ाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने राष्ट्रपति के अंगरक्षक पर फायर झोंक दिया, जिससे वह सिर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मारपीट में उनका भाई और दूसरे पक्ष का एक युवक भी घायल हो गया। घटना की सूचना पर सीओ और एएसपी ने रात में ही मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। दोनों पक्षों के बीच तनाव बना है। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर धीरज ने तमंचा निकालकर कई राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली सौरभ के सिर में जा लगी और वह लहूलुहान होकर



जमीन पर गिर पड़ा।

स्वजन ने तत्काल डायल–112 पर सूचना दी। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए बड़ौत भिजवाया, जहां से सौरभ की गंभीर हालत देखते हुए उसे मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। सौरभ राष्ट्रपति के अंगरक्षक है और दीपावली पर घर छुट्टी आए हुए थे।

शिक्षिका की हत्या, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी यादव पर आरोपः पति, बेटा, बेटी घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र के ताहिर गांव में सरकारी महिला टीचर सुधा यादव की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप कांग्रेस की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी यादव पर है। लक्ष्मी टीचर के घर से 300 मीटर दूरी पर रहती है। सुधा के पति ने बताया– सुबह करीब 8 बजे पत्नी समेत घरवालों पर लाठी–डंडों और चाकू से हमला किया गया। पड़ोसी हम लोगों को जिला अस्पताल ले आए। जहां दोपहर करीब 1 बजे सुधा ने दम तोड़ दिया। घटना कलवारी थाना क्षेत्र के ताहिर गांव की मंगलवार सुबह 10 बजे की है। सुधा के पति सुधा शंकर यादव ने बताया कि लक्ष्मी हम लोगों से पुरानी दुश्मनी रखती थी। सुधा के पति सुधा शंकर यादव ने बताया कि लक्ष्मी हम लोगों से पुरानी दुश्मनी रखती थी।

सुधा यादव (52) गोंडा के नवाबगंज में एक सरकारी विद्यालय में टीचर थीं। उनके पति सुधा शंकर यादव (45) भी यहीं एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाते हैं। बेटे अखिलेश ने बताया– 3 साल पहले लक्ष्मी ने मेरी मां की शिकायत की थी कि वह फर्जी





मार्कशीट के आधार पर नौकरी कर रही है। इसको लेकर लक्ष्मी कोर्ट भी गई थी। फिर हाईकोर्ट में भी शिकायत की थी। लेकिन सभी जगह से केस खारिज हो गया था। इसके बाद से ही वह मां और हमारे परिवार से दुश्मनी रखती थी। अखिलेश ने बताया– हम लोग अयोध्या रहते हैं। दिवाली में गांव आए थे। घर पर घास–फूस हो गई थी। पापा गेट के पास सफाई कर रहे थे। मम्मी भी वहीं कुर्सी पर बैठी थीं।

लक्ष्मी स्कूटी से उधर से आई। उसने गाली देते हुए कहा कि आज खून की नदियां बहा दूंगी। इसके बाद वह अपने घर से आलोक यादव, प्रेमचंद यादव समेत 10–12 लोग को बुलाकर ले आई। सभी लाठी–डंडा, चाकू लेकर आए और हम लोगों पर हमला कर दिया।

महिला टीचर सुधा यादव के 4 बच्चे हैं। बड़ी बेटी अंशिका (30) की शादी हो चुकी है। इसके बाद बेटा अखिलेश (24) हैं, जो फैजाबाद की साकेत यूनिवर्सिटी से एमएससी कर रहा है। दो छोटी बेटियां अनुपम (20) और प्रिया (12) हैं।

कलवारी के सीओ बृजेश सिंह ने बताया– लक्ष्मी मायके बैजलपुर से अपने ससुराल ताहिरपुर आ रही थी। उसके यहां लक्ष्मीजी की प्रतिमा की स्थापना थी। जैसे ही वह सुधा के घर के पास पहुंची, दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। लक्ष्मी ने फोन करके अपने घरवालों को बुला लिया। दोनों पक्षों में मारपीट के दौरान सुधा, उसके पति और बेटा–बेटी घायल हो गए। पुलिस आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बाबा साहब डा. अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर को लखनऊ कूंच करेंगे बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र के सिल्ली (भीरवा) में बहुजन समाज पार्टी की ओर से सामाजिक पिछड़ा वर्ग भाईचारा की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व पिछड़ा वर्ग भाईचारा के सहसंयोजक अभय पटेल सिल्ली ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों को एकजुट करना रहा।

बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सामाजिक पिछड़ा वर्ग भाईचारा के कई मंडलों के मुख्य मंडल संयोजक एडवोकेट भीम राजभर ने कहा कि 6 दिसम्बर को बस्ती सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में लोग लखनऊ पहुंचें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। कहा कि कार्यक्रम में बसपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के विचारों को सुनें तथा बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करें। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के लोगों से विशेष रूप से अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा के पक्ष में मतदान कर पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे सामाजिक पिछड़ा वर्ग भाईचारा के जिला संयोजक के.सी. मौर्य ने कहा कि बस्ती से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को 6 दिसंबर को लखनऊ पहुंचना है। सभी लोग एकजुट होकर कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाएं तथा बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करें। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के हितों के लिए किए गए कार्यों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता रामचेत निराला ने की। वहीं बैठक के नेतृत्वकर्ता अभय पटेल सिल्ली ने कहा कि बस्ती से बड़ी संख्या में लोग 6 दिसंबर को लखनऊ पहुंचेंगे। उन्होंने क्षेत्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आवाहन किया।



–बैठक में बनी रणनीतिः सौंपी जिम्मेदारी

बैठक में आशुतोष सिंह, सुरेंद्र आजाद, अश्वनी कुमार शर्मा, अनुराग चौधरी, राधेश्याम चौधरी, रंजीत विश्वकर्मा, रामचरित चौधरी, उत्तम, विनय वर्मा, कौशलेंद्र वर्मा, रविंद्र गौतम, निर्मला प्रसाद, हीरालाल, सतगुरु प्रसाद, रामकिशोर, आज्ञाराम चौधरी, राम रतन चौधरी, पलटू राम वर्मा, राम अवध, गुरु प्रसाद, जयप्रकाश, रामकृष्ण, सुग्रीव, पंकज प्रताप राणा, सिद्धार्थ, सत्य प्रकाश और राजन राजभर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सोनिया गांधी ने किताब में साझा किया पहले बेटे की मौत का दर्द

नई दिल्ली (आभा)। पहला बच्चा पाने की खुशी क्या होती है, इसे एक मां ही समझ सकती है। लेकिन जन्म लेते ही बच्चे के काल के गाल में समा जाने पर जो तकलीफ होती है, उसे कोई नहीं समझ सकता। सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण, 'बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव' में अपने इस दर्द को पहली बार साझा किया है। यह पहली बार है जब सोनिया गांधी ने किसी प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक तौर पर यह निजी बात की है। सोनिया के मुताबिक वह साल था 1969 और



महीना था जनवरी। उनका पहला बच्चा समय से दो महीना पहले ही पैदा हो गया था और सिर्फ एक दिन बाद उसकी मौत हो गई। नवजात को उनके पति राजीव गांधी और देवर संजय गांधी ने दिल्ली के महरौली स्थित उनके ससुर फिरोज गांधी के फार्महाउस में दफनाया था।

हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित सोनिया गांधी का संस्मरण मंगलवार को बाजार में आया। इसमें सोनिया ने 18 जनवरी, 1969 को बेटे के जन्म और उसके अगले दिन हुई मौत से जुड़ी भावनात्मक स्मृतियों को विस्तार से साझा किया है।

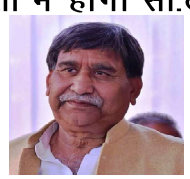
रंग लाई सांसद राम प्रसाद चौधरी की पहल, अब बस्ती में होगी सी.टी.ई.टी. परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के सांसद राम प्रसाद चौधरी की पहल रंग लाई है, अब बस्ती में केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा सी.टी.ई.टी. का परीक्षा केंद्र बनाया जायेगा। इससे बस्ती सहित आसपास के जनपदों के हजारों अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलेगी।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने बताया कि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने उन्हें पत्र भेजकर कहा है कि आगामी दिसम्बर 2026 में होने वाली सी.टी.ई.टी. परीक्षा बस्ती में भी होगी।

ज्ञात रहे कि बस्ती में परीक्षा केंद्र न होने के कारण अभ्यर्थियों को परीक्षा देने के लिए गोरखपुर, लखनऊ अथवा वाराणसी जैसे दूरस्थ जनपदों में जाना पड़ता है। इससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना



पड़ता है। खासकर महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को आवागमन और ठहरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सांसद ने अपने पत्र में यह भी कहा था कि बस्ती जनपद में परीक्षा केंद्र के संचालन के लिए पर्याप्त शिक्षण संस्थान, सुगम यातायात व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। ऐसे में यहां सी.टी.ई.टी. परीक्षा केंद्र स्थापित करना पूरी तरह उपयुक्त और व्यावहारिक है। सांसद की इस पहल के बाद अब बस्ती में सी.टी.ई.टी. परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाने की मांग पूरी होने से अभ्यर्थियों में खुशी की लहर है। इससे न केवल बस्ती बल्कि सिद्धार्थनगर और संत कबीर नगर के युवाओं को भी परीक्षा देने के लिए दूर–दराज के शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

समाजवादी शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने बताया कि सी.टी.ई.टी. परीक्षा देने के लिये छात्रों को दूर दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता था और उन्हें असुविधा होती थी, इसे देखते हुये उन्होंने सांसद राम प्रसाद चौधरी को पत्र दिया था, इसे सांसद ने गंभीरता से लिया और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को अपने स्तर से पत्र भेजा। इसे स्वीकार कर लिया गया है।यह पहल सराहनीय है।

निषाद पार्टी जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद की शिकायत का असर, मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप कुमार वर्मा का स्थानान्तरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मत्स्य विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप कुमार वर्मा का स्थानांतरण हो गया है। उनके स्थानांतरण को निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद द्वारा प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद से की गई शिकायत से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद ने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप कुमार वर्मा पिछले करीब 10 वर्षों से जनपद बस्ती में कार्यरत हैं। उन्होंने अधिकारी पर अपने पद का मनमाने ढंग से इस्तेमाल करने और मत्स्यजीवी समुदाय के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया था।

शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया था कि मत्स्यजीवी सहकारी समितियों के माध्यम से तालाबों के आवंटन में पात्र समितियों के साथ



अन्याय किया जा रहा है। इससे मछुआरा समाज में नाराजगी और रोष व्याप्त था। धर्मराज निषाद ने कैबिनेट मंत्री से मांग की थी कि लंबे समय से एक ही जनपद में तैनात अधिकारी का स्थानांतरण किसी अन्य जनपद में कराया जाए, ताकि मत्स्यजीवी समाज को न्याय मिल सके और सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक पहुंच सके। अब संदीप कुमार वर्मा के बस्ती से स्थानांतरण होने के बाद निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद की शिकायत और मांग को इस कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

इस संबंध में धर्मराज निषाद का कहना है कि कोई भी अधिकारी यदि गरीबों, वंचितों और समाज के लोगों को परेशान करने या उनका उत्पीड़न करने का प्रयास करेगा तो इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम अपने समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे तथा समाज को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष करते रहेंगे। कहा कि समाज के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाना जारी रहेगा। किसी भी अधिकारी को मनमानी करने की छूट नहीं दी जाएगी। निषाद समाज के साथ ही सर्व समाज के पात्र लोगों को उनका अधिकार दिलाना उनकी प्राथमिकता है। धर्मराज निषाद ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी का व्यक्तिगत विरोध करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित कराना और समाज के लोगों को न्याय दिलाना है।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने किया शहीद किसानों को नमनः बनाया संवाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष राजा ऐश्वर्य राज सिंह ने मुण्डेरवा में शहीद किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया । इसके बाद वह क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित माता लक्ष्मी के कार्यक्रमों में शामिल होकर लोगों से मुलाकात किये । उनका भ्रमण बोदवल, बढ़या, कुम्हिया मिश्रौलिया, बोदवल बाजार और चोलखारी सहित विभिन्न गांवों से होकर गुजरा । इसके पश्चात वह थरौली पहुंचे और क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी भ्रमण कर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों से संवाद किया ।

प्रदेश अध्यक्ष राजा ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों और आम जनमानस के हितों के लिए सदैव संघर्षरत रहा है। शहीद किसानों को श्रद्धांजलि देना उनके त्याग और बलिदान को याद करने के साथ उनके सपनों को साकार करने का संकल्प भी है। किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना पार्टी की प्राथमिकता है।



राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का मुंडेरवा क्षेत्र में प्रथम आगमन जिले के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव और उत्साह का विषय है। उनके आगमन से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। राष्ट्रीय लोकदल गांव, गरीब, किसान और नौजवानों की आवाज बनकर निरंतर काम कर रहा है।

जिला महासचिव सुनील कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन से जिले में संगठन को नई दिशा मिलेगी।

इस दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौधरी, जिला महासचिव सुनील कुमार पाण्डेय, प्रधान महाजन, परशुराम यादव, प्रदीप सिंह, शम्भू अग्रहरि प्रधान, गिरजेश कसौधन, कौलेन्दर तिवारी, पंकज चौधरी, दिलीप उपाध्याय, प्रेमचंद कनौजिया, श्याम नयन यादव, लोटन सिंह, शिव प्रसाद, संदीप, रविन्द्र चतुर्वेदी, धीरज पाण्डेय, प्रियांशु पाण्डेय, राजेंद्र चौधरी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 नवम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

मिलावटखोरी

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य–डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच–पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बताती जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं।

पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच–पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय–सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार–बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य–प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

कुपोषण की चुनौती

वैश्विक भूख सूचकांक 2026 के ताजा आंकड़ों ने एक बार फिर नीति–निर्माताओं को आत्मचिंतन के लिए विवश कर दिया है। आयरलैंड की संस्था कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी की वेल्टहंगरहिल्फे की ओर से जारी इस वार्षिक रिपोर्ट में 122 देशों की सूची में भारत 100वें स्थान पर है। देश का भूख अंक 24.1 है, जो उसे 'गंभीर' श्रेणी में रखता है। वैश्विक औसत 18.1 है, यानी 'मध्यम' स्तर। विडंबना यह है कि एक ओर हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक 2027 तक चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हैं, दूसरी ओर बुनियादी पोषण की कसौटी पर हमारा प्रदर्शन विकास के दावों की जमीनी हकीकत सामने रख देता है। जब एक बड़ी आबादी को पौष्टिक भोजन के लिए रोज संघर्ष करना पड़े, तो आर्थिक प्रगति की चमक फीकी लगने लगती है।

यह सूचकांक केवल पेट की आग का पैमाना नहीं, बल्कि मानव संसाधन की सेहत का आईना है। इसकी गणना चार संकेतकों पर होती है। अल्पपोषण, बाल 'स्टंटिंग', यानी उम्र के हिसाब से कम कद, बाल 'वेस्टिंग' यानी कद के हिसाब से कम वजन और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर। भारत में करीब 9.8 फीसद आबादी अल्पपोषित है, यानी उसे जरूरी न्यूनतम कैलोरी भी नहीं मिल पाती। पांच साल से कम उम्र के लगभग 29.3 फीसद बच्चे ठिगनेपन के शिकार हैं, जिसका अर्थ है कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास की नींव बचपन में ही कमजोर पड़ गई। कम वजन वाले बच्चों की दर 19 फीसद है, जो दक्षिण एशिया में सबसे ऊंची है और बच्चों में गंभीर, तात्कालिक कुपोषण की ओर संकेत करती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2.7 फीसद दर्ज हुई है। यह भी सच है कि सन 2000 में भारत का स्कोर 38.1 था और ठिगनापन 50 फीसद था, यानी लंबी अवधि में सुधार हुआ है। मगर सवाल उसकी रफ्तार का है। जब लगभग हर दस में से तीन बच्चे ठिगनेपन के शिकार हों, तो डिजिटल और सशक्त भविष्य की कल्पना अधूरी ही रहेगी।

सरकारी गलियारों से अक्सर ऐसी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाते हैं। तर्क दिया जाता है कि नमूने का आकार छोटा है या अध्ययन की पद्धति दोषपूर्ण है। पद्धति पर बहस जरूर होनी चाहिए, लेकिन क्या इससे जमीनी सच्चाई बदल जाती है? राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 (2019–21) के सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि 15 से 49 वर्ष की 57 फीसद महिलाएं और 15 से 19 वर्ष की 59.1 फीसद किशोरियां एनीमिया यानी रक्ताल्पता से ग्रस्त हैं।

जब मां खुद कमजोर और कुपोषित होगी, तो स्वस्थ शिशु को जन्म देना कठिन हो जाता है। यह कुपोषण का ऐसा दुश्चक्र है, जो पीढ़ी–दर–पीढ़ी देश की कार्यक्षमता को क्षीण करता है। रिपोर्ट के अनुसार 2018 से 2026 के बीच भारत का स्कोर 25.8 से घटकर केवल 24.1 हुआ है, यानी महज 1.7 अंक की कमी। इसी अवधि में नेपाल का स्कोर 18.4 से 14.5 पर आ गया, अर्थात 3.9 अंक का सुधार। आंकड़ों को नकारने से न पेट की भूख मिटती है, न किसी बच्चे का कद बढ़ता है। भारतीय कृषि हर साल भारी पैदावार देती है और सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देती है। यह योजना करोड़ों लोगों को भुखमरी के तात्कालिक संकट से बचाती है, मगर नीतिगत चूक तब होती है जब 'पेट भरने' को ही 'पोषण' मान लिया जाए।

उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता और समीकरणों की अग्निपरीक्षा



—ललित गर्ग—



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण–सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होंगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून–व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस–वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र–राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता–विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं–पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यही चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए–पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर–यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक–फूंक कर कदम उठा रही है।

भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी–सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक–दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं।

इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है–स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता–विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर 'गेम चेंजर' बन सकती है।

योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते–बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में कोई असंतुलन दिखाई दिया तो इसका लाभ विपक्ष उठा सकता है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि योगी को निर्विवाद चुनावी चेहरा रखते हुए अमित शाह की संगठनात्मक रणनीति को उनके नेतृत्व का पूरक बनाया जाए, प्रतिस्पर्धी नहीं। इसलिए 2027 में योगी की राजनीतिक मजबूती केवल सरकार की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अमित शाह की रणनीति और भाजपा के आंतरिक अनुशासन के बीच बनने वाले संतुलन से भी तय होगी। इसके लिये जरूरी है कि शाह एवं योगी के बीच संतुलन एवं सौहार्द का वातावरण बनना जरूरी है।

2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव अंततः केवल हिंदू–मुस्लिम, भाजपा–सपा या योगी–अखिलेश की लड़ाई नहीं होगा। यह मतदाता के बदलते विवेक, विकास की वास्तविक अनुभूति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भविष्य की उम्मीदों की परीक्षा होगा। चुनाव की करवट अभी तय नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार उत्तर प्रदेश में मुकाबला पिछले चुनावों की तुलना में अधिक जटिल, बहुस्तरीय और दिलचस्प होने जा रहा है। यही जटिलता 2027 को भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बनाएगी।

—(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राहुल की चुनौती क्यों स्वीकार नहीं करते मोदी

—योगेन्द्र योगी—



वास्तविक लोकतंत्र वहीं होता है, जहां सत्तापक्ष विपक्ष और पत्रकारों के सवालों के जवाब दे। देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता है। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं।

संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया है। विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा है। राहुल गांधी ने 3 दिन में 4 बार पीएम को मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोदी विपक्ष पर देश विरोधी होने और विदेशी ताकतों से संबंध रखने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें इन मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। राहुल ने बहस के लिए भारत–अमेरिका ट्रेड डील, देश की आर्थिक व्यवस्था, उद्योगपति गौतम अडाणी और जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मुद्दे उठाए।

उन्होंने कहा कि बहस में देश के युवा और मीडिया भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री अपनी पसंद की जगह और जज चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकार चर्चा की बात करती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब वे बोलने की कोशिश करते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है।

2 नवंबर को राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। इसी तरह 3 नवंबर को राहुल ने वीडियो जारी कर कहा कि मोदी को बहस की चुनौती दिए 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन उनकी तरफ से जवाब नहीं आया। पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल ने फिर मोदी को चुनौती दी। राहुल ने दावा किया कि पांच मिनट की बहस में वे साबित कर देंगे कि मोदी श्रद्धेढ़ोहीए हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नियंत्रण में हैं।

राहुल के सवालों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देने के बजाए उल्टे सात सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती हैं। रिजिजू ने कहा–राहुल को भाजपा को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोड़कर संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं।

राहुल पहले भी बहस की चुनौती दे चुके हैं। राहुल ने अगस्त 2018 में कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में राफेल मुद्दे पर कहा था कि मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा। जनवरी 2019 में राहुल गांधी ने कहा कि राफेल पर लोकसभा में मुझे पीएम के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, अमरीका के प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि पीएम में हिम्मत नहीं है। 7 अप्रैल 2019 को भ्रष्टाचार पर मेनिफेस्टो लॉन्च पर मोदी के एक इंटरव्यू के बाद राहुल ने ट्वीट किया था कि आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं।

गौरतलब है कि 2024 चुनाव से पहले भी राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए पीएम को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिस पर पीएमओ की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान संसद को 48 बार संबोधित किया था। तब गुजरात के सीएम रहे नरेंद्र मोदी ने उन्हें 'मौन मोहन' कहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में अब तक 22 बार ही बोले हैं। एचडी देवगौड़ा जो सिर्फ करीब दो साल के लिए प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी संसद में मोदी से ज्यादा बार बोला था। बीजेपी के ही अटल बिहारी वाजपेयी ने भी छह सालों में 77 बार संसद को संबोधित किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे में प्रेस के सवाल न लेने के फैसले पर विवाद रहा है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गार स्टोरे के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान नॉर्वे की एक महिला पत्रकार ने प्रधानमंत्री मोदी से मीडिया के सवालों का जवाब देने का आग्रह किया था। लेकिन पीएम मोदी ने कोई सवाल नहीं लिया था।

अमेरिका का संदेशः लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च



अमरीकी मध्यावधि चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प की हार रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक झटके से कहीं अधिक है। यह हर जगह के राजनेताओं के लिए एक चेतावनी है कि एक बार हासिल की गई सत्ता को कभी भी स्थायी या गृहीत नहीं माना जा सकता। कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण हासिल करते हुए डैमोक्रेट्स की व्यापक जीत ने आम अमरीकियों के बढ़ते असंतोष को उजागर कर दिया है, जो ऐसे नेतृत्व से निराश थे, जो उनके रोजमर्रा के सरोकारों से लगातार कटता जा रहा था। सवाल यह है कि क्या ट्रम्प अपने घमंड, अपनी नीतियों, ईरान के साथ युद्ध के कारण हारे, या फिर अमरीका केवल यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में चल रहे एक बड़े राजनीतिक आंदोलन को प्रतिबिंबित कर रहा है। इसका उत्तर शायद इन सभी कारकों का एक संयोजन है।

ट्रम्प ने हमेशा शक्ति प्रदर्शन में विश्वास किया है। उनकी राजनीतिक शैली टकराव वाली है, उनकी भाषा अक्सर कठोर होती है और उनका आत्मविश्वास कभी–कभी घमंड की सीमा को छूने लगता है। उन्होंने बार–बार खुद को अमरीका को बचाने में सक्षम एकमात्र व्यक्ति के रूप में पेश किया है। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब सत्ता का निरंतर प्रदर्शन उन लोगों को भी दूर करने लगता है जिन्होंने कभी इसका समर्थन किया था। कई अमरीकी इस निष्कर्ष पर पहुंचते दिखे कि उनके राष्ट्रपति अपनी कठिनाइयों को समझने की बजाय अपने अधिकार का प्रदर्शन करने में अधिक चिंतित थे। हालांकि, अर्थव्यवस्था चुनावी परिणाम का सबसे शक्तिशाली स्पष्टीकरण बनी हुई है। ट्रम्प ने कीमतें नीचे लाने और आम अमरीकियों के जीवन में सुधार करने का वादा किया था। इसकी बजाय, किराने का सामान, आवास, स्वास्थ्य सेवा और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च परिवारों पर भारी पड़ता रहा। मुद्रास्फीति केवल एक आध्यक आंकड़ा नहीं, यह किसी परिवार के बचत करने में सक्षम होने और अगले वेतन के दिन तक जीवित रहने के लिए संघर्ष करने के बीच का अंतर है।

अमरीकी उद्योगों की रक्षा के उद्देश्य से बनाई गई उनकी टैरिफ नीतियों ने भी आध्यक अनिश्चितता और उच्च लागत में योगदान दिया। जिन मतदाताओं को तत्काल राहत की उम्मीद थी, वे यह सवाल उठाने लगे कि क्या ये नीतियां वास्तव में उनके पक्ष में काम कर रही हैं? अमरीकी मतदाता ट्रम्प को एक और मौका देने के लिए तैयार रहे होंगे लेकिन धैर्य की भी एक सीमा होती है। ईरान के साथ युद्ध एक और निर्णायक कारक बन गया। इस संघर्ष ने अनिश्चितता, बढ़ती ऊर्जा लागत और यह सवाल पैदा किया कि अमरीका एक और लंबे सैन्य जुड़ाव में क्यों शामिल हुआ। ऐसे समय में, जब परिवार जीवन–यापन की लागत से जूझ रहे थे, युद्ध पर भारी राशि खर्च करने के विचार को उचित ठहराना बेहद मुश्किल हो गया। ट्रम्प ने खुद स्वीकार किया कि ईरान युद्ध ने चुनाव को प्रभावित किया था। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि विदेश नीति, जो अक्सर आम मतदाता से दूर दिखाई देती है, अंततरू घरेलू बजट में अपना रास्ता तलाश ही लेती है। ईंधन की ऊंची कीमतें, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता और तनाव बढ़ने का डर हर किसी को प्रभावित करता है यूरोप ने लोकलुभावन पाष्टर्यों के उदय, विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता को देखा है। आध्यक तंगी, जनता के असंतोष और बदलती राजनीतिक निष्ठाओं के दबाव में सरकारें गिर गई हैं या कमजोर हो गई हैं। फिर भी यह प्रवृत्ति एक समान नहीं है। कुछ देशों में, लोकलुभावन आंदोलन मजबूत हो रहे हैं, दूसरों में, मतदाता उन्हें खारिज कर रहे हैं। सांझा सूत्र यह है कि पारंपरिक राजनीतिक निष्ठाएं कम भरोसेमंद होती जा रही हैं। मध्य पूर्व में अनिश्चितता एक और आयाम जोड़ती है। युद्ध, विस्थापन, ऊर्जा असुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय तनाव ने यह भावना पैदा की है कि दुनिया तेजी से अस्थिर होती जा रही है। हर जगह नागरिक पूछ रहे हैं कि क्या उनकी सरकारें उनके आध्यक हितों की रक्षा करने और एक सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में सक्षम हैं।

विश्वास का एक गहरा संकट भी है। राजनेताओं को अब उनके भाषणों से नहीं, बल्कि इस बात से आंका जाता है कि वे परिणाम देते हैं या नहीं। बड़ी घोषणाएं, अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और शक्ति का प्रदर्शन बेरोजगारी, महंगे आवास या खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों की भरपाई नहीं कर सकते। इसलिए ट्रम्प की हार की व्याख्या केवल एक व्यक्ति की अस्वीकृति के रूप में नहीं की जानी चाहिए। यह राजनीतिक व्यक्तित्व की सीमाओं और जनता के असंतोष की उपेक्षा के परिणामों को दर्शाती है। उनके विरोधियों के पास अब बदलाव के वादों को पूरा करने का अपना कठिन कार्य हो सकता है। चुनाव जीतना एक बात है, सफलतापूर्वक शासन करना दूसरी।

आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचा और अंतर्राष्ट्रीय स्थिति महत्वपूर्ण हैं लेकिन आम नागरिक किफायती जरूरतें, रोजगार, सुरक्षा और सम्मान भी चाहता है। कोई भी सरकार यह नहीं मान सकती कि उसकी लोकप्रियता आध्यक तंगी से अछूती रहेगी। दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है, जिसमें मतदाता अधिक तत्काल उत्तरों की मांग कर रहे हैं। उनके पास घमंड, राजनीतिक नाटकबाजी और अधूरे रह जाने वाले वादों के लिए कम धैर्य है। अंततरू, ट्रम्प की हार हमें याद दिलाती है कि लोकतंत्र के पास सत्ता की ज्यादतियों को सुधारने का एक तरीका है। मतपेटी उन लोगों की आवाज बन जाती है जो खुद को अनसुना महसूस करते हैं। और जब वह आवाज इतनी मजबूत हो जाती है, तो सबसे शक्तिशाली नेता को भी सुनना ही पड़ता है।

अन्नकूट के दिन गोवर्धन पूजा का भी बहुत महत्व है –महंत जय रामदास



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम नगरी में उत्सव महोत्सव निरंतर आते रहते हैं और जब से प्रभु श्री राम के मंदिर का फैसला आया नित्य नए उत्सव मनाया जा रहे हैं इसी क्रम में दीपोत्सव के बाद अयोध्या में अन्नकूट महोत्सव बड़े ही हर्ष और लाश के साथ मनाया जा रहा है अयोध्या के श्री राम आश्रम में पीठाधीश्वर महंत डॉ जय रामदास वेदांती के संयोजन में अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें देश–विदेश के हजारों लोग सम्मिलित हुए। श्री महाराज जी ने बताया कि प्रभु श्री राम लंका विजय के बाद अयोध्या पहुंचे उस दिन पूरी अयोध्या दीप माला से सजाई और दूसरे दिन भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया तब से अन्नकूट महोत्सव मनाया जा रहा है। वही द्वापर युग में भगवान विष्णु जब कृष्ण अवतार में आए तब बृजवासियों को इंद्र भगवान के कोप से बचने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपने उंगली पर उठा लिया और जब इंद्र के अभियान को भगवान ने समान कर दिया तो स्वयं गोवर्धन भगवान की पूजा की गौ माता की पूजा की और 56 भोग लगाया और तभी से यह उत्सव और ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आश्रम में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और प्रसाद पाया। श्री महाराज जी ने बताया कि इस दिन गौ माता की भी पूजा करनी चाहिए और गोवंश की रक्षा करनी चाहिए।

हनुमानगढ़ी में महंत प्रेमदास के संयोजन में संपन्न हुए सभी उत्सव



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कलयुग में हनुमान जी महाराज सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में प्रत्यक्ष रूप में विराजमान है और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। हनुमानगढ़ी के गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज ने बताया कि अयोध्या में भव्य रूप से दीपोत्सव मनाया जाता है और उसी दिन हनुमान जी महाराज की जयंती भी मनाई जाती है प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को हनुमान जी का जन्म हुआ था और तभी से इस दिन को हनुमान जयंती के रूप में सनातन वैष्णव धर्म को मानने वाले लोग मनाते आ रहे हैं और सदियों से हनुमानगढ़ी में भी यह उत्सव मनाया जाता है जिसमें सैकड़ो की संख्या में भक्ति सम्मिलित होते हैं दीपावली के दिन सुबह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विगत कई वर्षों से दर्शन पूजन करने आते हैं और उसके दूसरे दिन अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है।

श्री महाराज जी के शिष्य हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ महेश दास महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान के पहले स्थान श्री श्याम राम किशोर कुंज ठकुराइन मंदिर में प्रत्येक वर्ष गुरुदेव भगवान के संरक्षण में अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है जिसमें अयोध्या के हजारों संत महंत इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। इस अवसर पर महंत नंदराम दास सहित सैकड़ो संत महंत सम्मिलित हुए मामा दास ने सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

श्री लाल साहब दरबार में ठाकुर जी को लगा छप्पन भोग



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। त्याग, तपस्या और वैराग्य की नगरी अयोध्या में दीपावली से लेकर भैया दूज तक एक खास उत्सव का माहौल रहता है। इस दौरान हर दिन ठाकुर जी को नए वस्त्र पहनाकर नाना प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाता है। विशेष रूप से अन्नकूट पर्व पर ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पित किया जाता है, जो एक पुरानी और प्रतिष्ठित परंपरा का हिस्सा है।कनक भवन परिसर स्थित श्री लाल साहब दरबार में इस बार अन्नकूट महोत्सव की छवि देखने लायक थी। मंदिर में आने वाले भक्त भगवान की भव्य छवि देखकर मंत्र–मुग्ध हो गए। इस विशेष अवसर पर महंत रामनरेश शरण महाराज ने बताया कि इस उत्सव की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे सनातन वैष्णव परंपरा के अनुसार मनाया जाता है।

महंत जी ने बताया कि गोवर्धन पूजा के दिन भगवान श्री कृष्ण ने इंद्रदेव के कोप से बचने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाया था और तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई। इस दिन मैया यशोदा ने भगवान श्री कृष्ण के लिए छप्पन प्रकार के व्यंजन तैयार किए थे, तब से ही अन्नकूट पर्व का आयोजन होता है।अयोध्या में यह उत्सव धनतेरस से शुरू होता है और दीपावली के दूसरे दिन अन्नकूट महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन ठाकुर जी को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाता है, साथ ही मंदिर में भव्य आरती का आयोजन होता है। इसके बाद भक्तों में प्रसाद का वितरण किया जाता है। इस उत्सव का समापन भैया दूज और यम द्वितीया के साथ होता है, जिससे यह पर्व और भी महत्व प्राप्त करता है।साथ ही, महंत रामनरेश शरण महाराज ने यह भी कहा कि भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन के समय इस उत्सव का महत्व और बढ़ जाता है। 14 वर्षों के वनवास के बाद जब भगवान श्री राम अयोध्या लौटे थे, तब से इस पर्व को और भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट: 4 मकानों में लगी आग, महिला समेत 2 घायल

संवाददाता–बहराइच। नानपारा कोतवाली क्षेत्र के लखैया गांव में मंगलवार सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें अशोक कुमार और एक महिला घायल हो गए। इसी दौरान अशोक कुमार और उनके तीन भाइयों के चार फूस के मकानों में आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, अशोक निषाद के परिवार की मौजूदा प्रधान प्रतिनिधि के समर्थकों से मंगलवार सुबह करीब 11 बजे कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। बताया गया कि पंचायत चुनाव और प्रधानी को लेकर दोनों पक्षों में पहले से रंजिश चली आ रही थी।

आग अशोक कुमार और उनके भाइयों करण, रमेश और दिलीप के फूस के मकानों में लगी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। पीड़ित ने दूसरे पक्ष पर मारपीट करने और मकानों में आग लगाने का आरोप लगाते हुए नानपारा कोतवाली में तहरीर दी है।

नानपारा कोतवाल गुरुसेन सिंह ने बताया कि दो पक्षों में मारपीट हुई है। मकानों में आग किन परिस्थितियों में लगी, इसकी जांच की जा रही है। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाम, जन्मतिथि और पते में हेरफेर कर बनवाए दो पासपोर्ट, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। सादुल्लानगर पुलिस ने दो पासपोर्ट बनवाने के आरोप में मेहंदी हसन को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेजों से नाम, जन्मतिथि और पते में बदलाव कर पासपोर्ट हासिल किए। पुलिस के मुताबिक, मेहंदी हसन बलरामपुर के सादुल्लानगर थाना क्षेत्र के जाफरपुर गांव का रहने वाला है। उसने अपने नाम के साथ पत्नी और माता–पिता के नाम में भी कथित तौर पर हेरफेर किया था। मंगलवार दोपहर 1:25 बजे पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने मामले की जांच की। जांच में कथित फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद उनकी शिकायत पर सादुल्लानगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। थानाध्यक्ष सत्यवीर वर्मा के नेतृत्व में टीम ने उसे जाफरपुर मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि जरूरी कार्रवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक दुर्गेश तिवारी, कांस्टेबल प्रेम कुमार और कांस्टेबल सोम कुमार शामिल थे।

फ्लिपकार्ट स्टोर में भीषण आग लगी, लैपटाप और कंप्यूटर जले

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना थाना क्षेत्र के वीरपुर मोड़ पर बीती रात करीब नौ से दस बजे के बीच एक फ्लिपकार्ट स्टोर में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। लपटें और काला धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझने तक स्टोर में रखा ग्राहकों का डिलीवरी ऑर्डर, रिटर्न पार्सल, एक लेपटॉप, दो डेस्कटॉप सहित तीन कंप्यूटर सिस्टम और जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए। अभी अनुमान के मुताबिक हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय भाजपा विधायक रामफेरन पांडेय भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।

स्टोर संचालक अनिल तिवारी के मुताबिक, दीपावली के मद्देनजर स्टोर को समय से पहले बंद कर दिया गया था। देर रात अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। जब तक कुछ समझ पाते, आग विकराल रूप ले चुकी थी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना कंपनी को दे दी गई है। हादसे के बाद पीड़ित परिवार का बुरा हाल है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है हालांकि शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

म्यांमार के राजदूत हत्वे ने भारत से संबंधों को और मजबूत करने की दोहराई बात



संवाददाता–कुशीनगर। म्यांमार के राजदूत यू ऐ मिन हत्वे ने कहा कि म्यांमार भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगा। दोनों देशों के बीच रिश्ते पहले भी प्रगाढ़ रहे हैं। इसको और आगे ले जाना है, जिसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। हत्वे कुशीनगर भिक्षु संघ के अध्यक्ष रहे अग्गमहापंडित भदंत ज्ञानेश्वर की 91 वीं जयंती पर मंगलवार को म्यांमार बुद्ध मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने महापरिनिर्वाण बुद्ध मंदिर में पूजा की, बोधिवृक्ष पर जल चढ़ाया और ज्ञानेश्वर स्मृति स्थल पर बने मंदिर का दिया। उन्होंने कहा कि, ज्ञानेश्वर ने कुशीनगर के विकास व समाजोत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसको कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने शिक्षण केंद्र, समृद्धि चैत्य व बुद्ध विहारों का निर्माण कराया। मैं यहां आकर अपने को सौभाग्यशाली मानता हूं। विशिष्ट अतिथि बुद्ध पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि, एबी ज्ञानेश्वर ने बौद्ध धर्म की परंपराओं को आगे बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध संबंधों को सुदृढ़ करने तथा समाज में भगवान बुद्ध के विचारों के प्रचार–प्रसार के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अपने गुरु की स्मृति एवं सम्मान में महाविद्यालय परिसर में एक पाली भवन का निर्माण कराया, जिसमें पालि की कक्षाएं चल रही हैं। भिक्षु नंदा, भिक्षु शीलप्रकाश, भिक्षु वन्नाधजा, भिक्षु चंदिमा, संजय कुमार, एडवोके. विश्वम्भरनाथ आदि ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता भिक्षु नन्दका व संचालन भिक्षु डा. नन्दरतन ने किया। भिक्षु महेंद्र थेरो, भंते अशोक, फ्रा सोंगक्राम, भंते समित, भिक्षुणी धम्मनैना, भंते सागरा, लामा कोंचोक टेंगकयोंग, डा. नरेंद्र प्रताप सिंह, अवधेश दूबे, अनुपम पाठक, कुमकुम, आलोक, कलानिधी सिंह, राजेश सिंह, अमानत खां आदि मौजूद रहे।

मूर्ति विसर्जन से लौट रहे दो युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र के देवराजपुर में सोमवार की रात दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर जमकर मारपीट हुई। इस दौरान मनबढ़ों ने दो युवकों पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों युवकों की गर्दन पर वार किए जाने से उनकी हालत गंभीर हो गई। घायलों को कुशीनगर मेडिकल कॉलेज से बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है, जहां दोनों जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। मां लक्ष्मी की प्रतिमा विसर्जन कर कुछ युवक रात में घर लौट रहे थे। इसी दौरान देवराजपुर के उत्तर दोनों पक्षों के युवक आमने–सामने आ गए। बताया जा रहा है कि लंगड़ी यादव टोला और देवराजपुर के चौहान टोला के बीच करीब एक वर्ष से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान कुछ युवकों ने मनोज चौहान (35) पुत्र जवाला चौहान और पतीन्द्र चौहान (16) पुत्र नंदू पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। दोनों की गर्दन पर वार किए जाने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आनन–फानन में ग्रामीणों ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना पर हाटा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। गांव में तनाव को देखते हुए एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आधी रात मंदिर के पुजारी पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर



संवाददाता–देवरिया। जिले तरकुलवा थाना क्षेत्र के कौलाचक मोड़ स्थित बेलही शिव मंदिर के पुजारी पर सोमवार की आधी रात अराजक तत्वों ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में घायल पुजारी की हालत नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। तरकुलवा क्षेत्र के बेलही गांव स्थित कुटी के शिव मंदिर में पुजारी वशिष्ठ तिवारी (60) रहते हैं। सोमवार की रात वह मंदिर परिसर में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया और मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पुजारी की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। और पुजारी अचेत अवस्था में जमीन पर गिरे पड़े थे। सूचना पर बेलही के ग्राम प्रधान बृज नरायन यादव तत्काल मौके पर पहुंचे और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। और एंबुलेंस की मदद से घायल पुजारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरकुलवा ले गए। वहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।ग्रामीणों के मुताबिक पुजारी वशिष्ठ तिवारी मूल रूप से कुशीनगर जनपद के फाजिलनगर के निवासी हैं। वह पिछले करीब आठ वर्षों से बेलही कुटी स्थित शिव मंदिर में रहकर पूजा–पाठ करते आ रहे हैं। मंदिर के पुजारी पर हुए हमले को लेकर क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश और चिंता का माहौल है।इस संबंध में तरकुलवा थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

भाजयुमो के मंडल महामंत्री हिरासत में, दीपावली की शाम की थी हवाई फायरिंग

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के मंडल महामंत्री अभिषेक सिंह को पुलिस ने कस्टडी में ले लिया। अभिषेक सिंह पर आरोप है कि उन्होंने दीपावली की शाम अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से हवाई फायरिंग की। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ऐक्शन में आ गई। देवरिया की बघौचघाट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भाजयुमो के पथरदेवा मंडल महामंत्री अभिषेक सिंह को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल बंदूक और कारतूस का खोखा भी कब्जे में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार पिता की लाइसेंसी बंदूक से हवाई फायरिंग करने के बाद भाजयुमो नेता अभिषेक सिंह ने फेसबुक पर अभिषेक सिंह सेंगर नाम की आईडी से खुद ही इसका वीडियो वायरल किया था। वीडियो की जांच में फायरिंग करते दिख रहे युवक की पहचान अभिषेक सिंह सेंगर पुत्र स्वर्गीय कल्याण सिंह, निवासी आनंद नगर, थाना बघौचघाट के रूप में हुई। अभिषेक वर्तमान में भाजयुमो के पथरदेवा मंडल में महामंत्री हैं। पूछताछ के दौरान अभिषेक ने बताया कि रविवार को दीपावली की शाम उसने अपने पिता की लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक से एक कारतूस लगाकर हवाई फायरिंग की थी।



इसके बाद उसने फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया था। मामले में एक और अहम तथ्य सामने आया है। जिस बंदूक से फायरिंग की गई, उसका लाइसेंस अभिषेक के पिता स्वर्गीय कल्याण सिंह के नाम पर है। हाल ही में उनके निधन के बाद भी लाइसेंस अभिषेक के नाम हस्तांतरित नहीं हुआ था। इसके बावजूद बंदूक से फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। बघौचघाट पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर बंदूक और कारतूस का खोखा कब्जे में ले लिया है। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह रोक है। इसके बाद भी अक्सर देखा गया है कि लोग शादी–ब्याह के अवसरों या फिर पर्व और त्योहारों पर अपने लाइसेंसी असलहों का इस्तेमाल हर्ष फायरिंग के लिए करते हैं। कई बार ऐसी हर्ष फायरिंग में जानलेवा घटनाएं भी हो जाती हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर्ष फायरिंग करने वाला शख्स अपने साथ–साथ अपने परिवार के सदस्यों, करीबियों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और आसपास मौजूद हर शख्स को खतरे में डालता है। ऐसे लोगों को कतई प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। हर्ष फायरिंग का मामला सामने आने के बाद ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस ऐक्शन और लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई की जा सकती है।

अखिलेश का अयोध्या दर्शन करने आना कोई गलत नहीं, कुछ सवालों को समय के साथ दफन कर देना चाहिए –बृजभूषण



संवाददाता–गोण्डा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे देवरिया अलावल गांव में जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद मुस्तकीम के घर पहुंचे। उन्होंने पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर परिजनों को बधाई दी। बृजभूषण शरण सिंह से पूछा गया कि वे ऐसी पार्टी में रहते हुए मुस्लिम परिवार के घर पहुंचे हैं, जिस पर दूसरे समुदाय के लोगों का विरोध करने के आरोप लगते हैं। इस पर उन्होंने कहा, ष्जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।ष् उन्होंने कहा कि वह राजनीति के लिए यहां नहीं आए हैं। जरूरी नहीं कि ये लोग उनके साथ रहें, लेकिन जरूरत पड़ने पर साथ देंगे।

दीपावली के दौरान प्रदूषण और पराली जलाने के मुद्दे पर बृजभूषण ने कहा कि केवल पंजाब की बात क्यों की जाती है। गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, बलरामपुर और आसपास के जिलों में भी पराली जलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ चार से पांच राज्यों में खुलेआम पराली जलाई जा रही है। उत्तर प्रदेश में तो कानून नाम की कोई चीज नहीं है।

उन्होंने कहा कि एक महीने बाद भी पता लगाया जा सकता है कि किस खेत में पराली जलाई गई थी। किसानों को जागरूक करने के साथ उन्हें ऐसे साधन उपलब्ध कराने होंगे, जिनसे खेत की जुताई आसानी से हो सके। किसानों को समझना चाहिए कि पराली जलाने से उनकी जमीन को नुकसान होता है। इससे मिट्टी को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्मजीव भी नष्ट हो जाते हैं।

बृजभूषण ने कहा कि किसानों को समझाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जिन लोगों को इस दिशा में ध्यान देना चाहिए, वे ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने पराली जलाने के मुद्दे पर केवल पंजाब की चर्चा करने के बजाय दूसरे राज्यों की स्थिति पर भी ध्यान देने की बात कही।

गोंडा स्टेशन के पास इलेक्ट्रीशियन का शव मिला

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा रेलवे स्टेशन के सामने रिक्शा स्टैंड के पास मंगलवार दोपहर 12 बजे इलेक्ट्रीशियन मोहम्मद नौशाद (22) का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे राहगीरों ने रिक्शा स्टैंड के पास एक युवक का शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर दोपहर करीब 2 बजे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान नगर कोतवाली क्षेत्र के तोपखाना (शास्त्री नगर) निवासी मोहम्मद नौशाद (22) के रूप में हुई है, जो निजी तौर पर इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। नौशाद दो भाइयों में छोटा था। उसके बड़े भाई इरशाद अहमद ई–रिक्शा चालक व बाइक मैकेनिक हैं, जबकि पिता मोहम्मद फैयाज फूल बेचने का काम करते हैं। मृतक के दोस्त मोहम्मद फैज रजा सिद्दीकी ने बताया कि नौशाद सोमवार रात बहराइच स्थित रिश्तेदारों से मिलने की बात कहकर घर से निकला था।

वहां से लौटने के बाद मंगलवार सुबह उसकी मौत की खबर मिली। नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के शरीर पर जाहिरा तौर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, साथ ही रेलवे स्टेशन मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

वन विभाग के ड्राइवर ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता–गोण्डा। जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर देहात कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर राय गांव में वन विभाग में तैनात 52 वर्षीय ड्राइवर सुरेश चंद्र यादव ने फंदे से लटककर जान दे दी। मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय परिवार के सदस्य खेत में धान काटने गए थे। काम खत्म कर घर लौटने पर उन्होंने सुरेश चंद्र को कमरे में पंखे से लटका देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

सुरेश चंद्र यादव के रिटायरमेंट में अभी आठ साल शेष थे। परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़ा बेटा आशीष यादव (27) चंडीगढ़ की एक निजी कंपनी में काम करता है और अविवाहित है। छोटा बेटा शैलेंद्र यादव (25) विवाहित है और प्लंबर का काम करता है। बेटी आरती यादव की भी शादी हो चुकी है। देहात कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को

शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और घटना की जानकारी दी। देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला भाजपा नेता ने बदला बयान

संवाददाता–कुशीनगर। भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिला मीडिया प्रभारी पूनम जायसवाल ने पार्टी संगठन के नेताओं पर आरोप लगाने के बाद अपना बयान बदल दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं ने बातचीत कर उन्हें न्याय दिलाने की कोशिश की है। कुछ दिन पहले पूनम जायसवाल ने एक वीडियो जारी कर महिला मोर्चा में हाल में बांटे गए पदों को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि बड़े नेताओं का बिस्तर गर्म नहीं करने के कारण उन्हें पद नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके पास पैसे नहीं थे कि पैसे के दम पर पद ले सकें। वीडियो में उन्होंने कहा



था कि पूरी पार्टी, मोदी और योगी खराब नहीं हैं। उनके मुताबिक, कुशीनगर में 'रामलीला और रासलीला' चल रही है, जहां पैसे दो, बेड गर्म करो और पद लो का खेल चल रहा है। उनका बयान सामने आने के बाद भाजपा संगठन की ओर से कोई बयान नहीं आया था। पार्टी जिलाध्यक्ष ने कहा था कि पार्टी परिवार की तरह है और बातचीत कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

इसके बाद पूनम जायसवाल ने दूसरा बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'मेरी नाराजगी आप लोगों को देखने को मिल रही थी, लेकिन अब पार्टी के वरिष्ठ लोगों ने बातचीत करके मुझे न्याय दिलाने का प्रयास किया। मैं भाजपा की थी और भाजपा की ही रहूंगी।'

इस बयान के सामने आने के बाद पुराने सभी आरोपों को खारिज बताया जा रहा है लेकिन बिस्तर गर्म कर पद पाने जैसे गंभीर आरोपों की गूंज अभी भी पार्टी के कुछ लोग चटखारे लेकर सुनते और सुनाते नजर आ रहे हैं ।

सपा मुझे बदनाम कर रही, पीएम मोदी का मेरे घर आकर चाय पीना सौभाग्य की बात –मीरा मांझी



संवाददाता–अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर आकर चाय पीने वाली मीरा मांझी ने समाजवादी पार्टी पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा उनका वीडियो चलाकर केवल उन्हें बदनाम कर रही है। मीरा मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से मिला मकान और गैस चूल्हा आज भी उनके परिवार की मदद कर रहा है। पीएम मोदी के प्रेम और स्नेह से उनका पूरा परिवार भावुक हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके घर आकर न केवल उन्हें और मांझी समाज को, बल्कि देश की हर गरीब महिला को सम्मान दिया है। भगवान उन्हें लगातार आगे बढ़ाएं। मीरा मांझी ने कहा कि उनका परिवार बहुत सीधा है। परिवार का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनके दिल और परिवार में केवल नरेंद्र मोदी का नाम है। प्रधानमंत्री ने जिस घर में चाय पी थी, उसे आज भी बहुत संभालकर रखा है। परिवार उसे पीढ़ियों तक सुरक्षित रखेगा।

पवन पांडेय के वीडियो से दुखी हैं मीरा बता दें कि समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री पवन पांडेय 20 नवंबर को मीरा मांझी के घर पहुंचे थे। उन्होंने मीरा को अपनी बहन बताते हुए उनकी मदद की थी। इस मुलाकात का वीडियो वायरल होने के बाद मीरा ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि उनकी परेशानी को सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समझा था। वह उनके घर आए, चाय पी और उनका दर्द करीब से जाना। बाकी लोग उनका मजाक न उड़ाएं।

पीपीगंज में क्रेटा की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया टोल प्लाजा के सामने पेट्रोल पंप के पास मंगलवार को क्रेटा कार और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 50 वर्षीय राजवीर यादव की मौत हो गई, जबकि घटनास्थल पर ट्रक की मरम्मत करा रहे चालक अनिल कुमार भी दुर्घटना की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ है। जानकारी के अनुसार, रामधुहट निवासी अयोध्या यादव के पुत्र राजवीर यादव मंगलवार को बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान जंगल कौड़िया टोल प्लाजा के सामने पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइक की क्रेटा कार से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि राजवीर गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया ले गए, जहां डॉक्टर उमेश नारायण गुप्ता ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटनास्थल के पास ट्रक की मरम्मत करा रहे चालक अनिल कुमार भी हादसे की चपेट में आ गए। दुर्घटना में उनका पैर टूट गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटना में शामिल क्रेटा कार घटनास्थल पर ही खड़ी रही। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

न अली के रहे, न बजरंगबली के, ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को सर्किट हाउस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। प्राइमरी स्कूलों के विलय, राम मंदिर दर्शन और सनातन धर्म के मुद्दे पर उन्होंने सपा नेतृत्व को घेरा। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि उनकी स्थिति इन अली के रहे, न बजरंगबली जैसी हो गई है। प्राइमरी स्कूलों के विलय को लेकर अखिलेश यादव की ओर से उठाए गए सवालों पर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव पांच साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया। राजभर के मुताबिक, सपा सरकार के दौरान बच्चे टाट–पट्टी पर बैठकर पढ़ाई करते थे, जबकि योगी सरकार में स्कूलों में बेंच और डेस्क की व्यवस्था की गई है। अभिभावकों के खातों में भी सहायता राशि भेजी जा रही है। उन्होंने अटल आवासीय विद्यालयों



का जिक्र करते हुए कहा कि यहां गरीब और मजदूर परिवारों के बच्चे रहकर डॉक्टर और इंजीनियर बनने की तैयारी कर रहे हैं।

राम मंदिर दर्शन को लेकर भी राजभर ने अखिलेश यादव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के अयोध्या जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर वह अयोध्या जा रहे हैं तो उन्हें मथुरा और काशी विश्वनाथ जाने की तारीखों का भी एलान करना चाहिए।

राजभर ने सनातन धर्म और कारसेवकों पर गोली चलवाने को लेकर सपा नेता सनातन पांडेय के बयान का भी मुद्दा उठाया। शिवपाल यादव की ओर से अनुशासन को लेकर दी गई चेतावनी पर उन्होंने सपा के अंदर नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि समाजवादी पार्टी में असली नेतृत्व अखिलेश यादव का है या शिवपाल यादव का?

ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल केवल ट्वीट और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा।

डिप्टी–सीएम बृजेश पाठक का एक दिवसीय दौरा आज

संवाददाता–संतकबीरनगर। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर संतकबीरनगर आएंगे। इस दौरान वे संयुक्त जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करेंगे और नेशनल हाईवे स्थित डी वेलेसिया होटल का उद्घाटन करेंगे। उनके दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व यातायात व्यवस्था परखी।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड, सेफ हाउस, संयुक्त जिला चिकित्सालय, निर्धारित मार्गों और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने अधिकारियों को वीवीआईपी सुरक्षा नियमों का पालन करने और निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को आपसी समन्वय से काम करने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, खलीलाबाद के क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पाण्डेय, कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे, यातायात प्रभारी परमहंस और एसपी के पीआरओ पीके गुप्ता समेत अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

भारतभारी धाम में 2 दिसंबर से होगी श्रीराम कथा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारतभारी स्थित श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर परिसर में 2 से 11 दिसंबर तक नौ दिवसीय श्रीराम कथा होगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कर्मयोगी परिवार के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और अलग–अलग व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने आयोजन स्थल का जायजा लिया और संबंधित लोगों को जिम्मेदारियां सौंपीं।

उन्होंने बताया कि भारतभारी के हनुमान मंदिर और पवित्र सागर के सामने पहली बार इस स्तर पर



श्रीराम कथा होगी। कथावाचक आचार्य शांतनु जी महाराज कथा सुनाएंगे। आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ–सफाई, आने–जाने, प्रचार और लोगों की भागीदारी पर चर्चा हुई। तय कार्यक्रम के मुताबिक, 1 दिसंबर को आचार्य शांतनु जी महाराज का डुमरियागंज में स्वागत किया जाएगा। 2 दिसंबर को कलश यात्रा निकलेगी। 3 से 11 दिसंबर तक रोज श्रीराम कथा होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्र प्रकाश वर्मा ने क्षेत्र के लोगों से आयोजन में सहयोग करने और कथा सुनने पहुंचने की अपील की।

बैठक में लवकुश ओझा, धर्मराज वर्मा, रमेश लाल श्रीवास्तव, दिलीप पाण्डेय, रामू गौतम, गणेश विश्वकर्मा, श्रवण चौधरी, राजकुमार चौधरी, रमेशधर द्विवेदी, आकाश पांडेय, रविंद्र शर्मा, धर्मेश पांडेय, प्रेम पांडेय, अंकित श्रीवास्तव, वंशीधर वर्मा, चंद्रभान अग्रहरि, सतीश श्रीवास्तव, कमलेंद्र त्रिपाठी और उदयभान अग्रहरि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हाईवे किनारे मिले युवक के शव की नहीं हुई शिनाख्त

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। टांडा कोतवाली क्षेत्र में आजमगढ़–बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव मिलने के एक दिन बाद भी मृतक की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने उसका हुलिया सार्वजनिक किया है। साथ ही आसपास के जिलों के लोगों से युवक की पहचान कराने में सहयोग की अपील की है। गौरतलब है कि सोमवार, नौ नवंबर की सुबह करीब 6:30 बजे ग्राम पिपरी विशुनपुर के पास हाईवे किनारे एक युवक का शव मिला था। शव देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया था। सूचना पर पहुंची टांडा कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। शव तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। पुलिस की ओर से जारी हुलिए के अनुसार मृतक का रंग गेहुंआ है। उसने काले रंग की टी–शर्ट और एडिडास कंपनी का काला लोअर पहन रखा था। उसके बाएं हाथ में घड़ी मिली है। इसके अलावा बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली में काले नग वाली सफेद धातु की अंगूठी और कनिष्ठिका अंगुली में बिना नग वाली सफेद धातु की अंगूठी पहनी हुई थी।

ऐसे में पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि इस हुलिए से मिलता–जुलता कोई युवक उनके संज्ञान में हो या कोई व्यक्ति लापता हो तो टांडा कोतवाली पुलिस को सूचना दें। फिलहाल पुलिस युवक की पहचान कराने के साथ ही उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

13 नवंबर से शुरू होगा चार दिवसीय महापर्व छठ



संवाददाता–गोरखपुर। दिवाली के बाद अब गोरखपुर एवं आसपास के जिलों में लोग महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। इस वर्ष लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में सूर्यदेव और छठी मइया की आराधना की जाती है। व्रती कठिन नियमों का पालन करते हुए परिवार की सुख–समृद्धि, संतान की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस दौरान स्वच्छता, सात्विकता, संयम और प्रकृति के प्रति आस्था का विशेष महत्व होता है।

छठ पर्व की शुरुआत नहाय–खाय से होती है। इसके बाद खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा निभाई जाती है। पर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जबकि चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती व्रत का पारण करते हैं।

छठ पूजा में ठेकुआ प्रमुख प्रसाद माना जाता है। इसके अलावा केला, नारियल, गन्ना, सिंघाड़ा, नींबू और अन्य मौसमी फल अर्पित किए जाते हैं। पूजा सामग्री को पारंपरिक रूप से बांस के सूप और टोकरी में सजाया जाता है। प्रसाद तैयार करने से लेकर घाट तक पहुंचाने और पूजा की व्यवस्था में परिवार और आसपास के लोग मिलकर सहयोग करते हैं। छठ पर्व में सूर्यदेव को जीवन, ऊर्जा और प्रकाश का स्रोत मानकर उनकी उपासना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठी मइया की पूजा से परिवार में सुख–समृद्धि और संतान की मंगलकामना पूरी होती है। इस पर्व की खास बात यह है कि इसमें डूबते और उगते, दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जीवन में निरंतरता का संदेश देती है।

बीजेपी का चुनावी मंथन, जिला प्रभारी प्रवीण गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी की रीढ



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी, विधानसभा क्षेत्र इटवा की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। मंगलवार को नगर पंचायत इटवा स्थित समागार में हुई इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन उसकी सबसे बड़ी ताकत है। संगठन की वास्तविक शक्ति समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनके परिश्रम, अनुशासन और निष्ठा के बल पर पार्टी निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन द्वारा निर्धारित दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करना चाहिए।

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना, नियमित जनसंपर्क स्थापित करना और आम जनमानस के बीच सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। पार्टी की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता, समर्पण और जनता के साथ उनके निरंतर संवाद पर निर्भर करती है। पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, जनसेवा और संगठनात्मक समर्पण की विचारधारा है। प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य करता है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बूथ पर संगठनात्मक गतिविधियों को सक्रिय रखने हेतु आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष कृष्णा मिश्रा, आशीष शुक्ला सहित हरिशंकर सिंह, मधुसूदन अग्रहरि, अशोक अग्रहरि, सिद्धार्थ पाठक, उदयपाल वर्मा, राजेंद्र दूबे, चेयरमैन इटवा विकास जायसवाल, बिस्कोहर अध्यक्ष बिस्कोहर अजय गुप्ता सहित अन्य की उपस्थिति रही।

गौशाला में गोवर्धन पूजा, अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने गोवंशों को लाई, गुड़ और केला खिलाया



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ की कान्हा गौशाला में 10 नवंबर 2026 को गोवर्धन पूजा की गई। गौशाला अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने गोवंशों की पूजा की और उन्हें लाई, गुड़ और केला खिलाया। सुरेश कुमार भी गोसेवा में शामिल हुए।

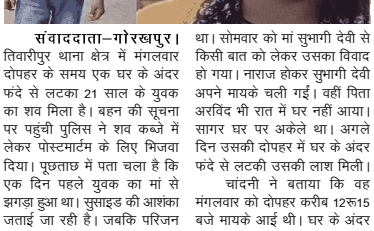
कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों और गौभक्तों ने हिस्सा लिया। लोगों ने गोवंशों को हरा चारा और प्रसाद दिया। उमा अग्रवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। उन्होंने लोगों से गोसेवा में आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम में रामप्रसाद, श्यामलाल, सुनीता देवी, मीना, राकेश, विनोद, प्रीति, अनीता, राजेश, कविता, मनोज, संतोष, गीता, अर्जुन और लक्ष्मी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। लोगों ने गौशाला में सफाई की और गोवंशों के लिए व्यवस्था की।

गौशाला को फूलों और रंगोली से सजाया गया था। गोवंशों के लिए हरा चारा और पौष्टिक आहार रखा गया था। कान्हा गौशाला में करीब 150 गोवंश हैं, जिनकी देखभाल समिति के सदस्य करते हैं। बच्चों ने भी गोवंशों को चारा खिलाया।

कार्यक्रम के अंत में लोगों ने गौशाला परिसर की परिक्रमा की और प्रसाद लिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में गोसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

गोरखपुर में फंदे से लटका युवक का शव मिला: लाश देखकर चिल्लाते हुए बहन बोली– मेरा भईया फांसी लगा लिया है



संवाददाता–गोरखपुर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर के समय एक घर के अंदर फंदे से लटका 21 साल के युवक का शव मिला है। बहन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पूछताछ में पता चला है कि एक दिन पहले युवक का मां से झगड़ा हुआ था। सुसाइड की आशंका जताई जा रही है। जबकि परिजन जमीन के विवाद में हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की वजह पता चल पाएगी। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के माधवपुर निवासी सागर निषाद (21) के पिता अरविंद निषाद और माता सुभागी देवी हैं। सागर की एक बहन चांदनी की थाना क्षेत्र में ही शादी हुई है। वह अपने ससुराल में रहती हैं।

जानकारी के मुताबिक, सागर निषाद पेंट पालिश का काम करता था। सोमवार को मां सुभागी देवी से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। नाराज होकर सुभागी देवी अपने मायके चली गईं। वहीं पिता अरविंद भी रात में घर नहीं आया। सागर घर पर अकेले था। अगले दिन उसकी दोपहर में घर के अंदर फंदे से लटकी उसकी लाश मिली।

चांदनी ने बताया कि वह मंगलवार को दोपहर करीब 12रू15 बजे मायके आई थी। घर के अंदर गई तो कमरे में सागर निषाद की लाश फंदे से लटकी हुई थी। वह चिल्लाते हुए घर से बाहर निकली। आस–पास के लोग वहां जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर तिवारीपुर पुलिस और फारेंसिक टीम पहुंची। जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया। घटना की सूचना पर सागर की मां और पिता भी घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनका जमीन विवाद चल रहा है। इसी विवाद में उसकी हत्या की गई है। तिवारीपुर थाना के सूर्यविहार चौकी इंचार्ज पंकज कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की सही वजह पता चल पाएगी।

खतरनाक स्तर पर वायु प्रदूषण मास्क पहनने की सलाह



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आधुनिकता की आड़ में घटती हरियाली, कंक्रीट के निर्माण और सड़कों से वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। दीपावली पर आतिशबाजी से फैले प्रदूषण ने आने वाले संकट की ओर ध्यान दिलाया है। छह दिन में वायु प्रदूषण मध्यम स्तर से चार पायदान ऊपर चढ़कर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। आतिशबाजी थमने के बाद प्रदूषण में कमी आई है, लेकिन हवा की गुणवत्ता मध्यम और खराब स्तर के बीच रहने की आशंका है। यहां वायु गुणवत्ता पहले भी अस्वस्थकर स्तर तक पहुंचती रही है, हालांकि खतरनाक स्तर पर नहीं पहुंची थी। धनतेरस को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 331 दर्ज किया गया था। सात नवंबर को यह 386 और आठ नवंबर को 424 तक पहुंच गया। इसके बाद इसमें तेजी से गिरावट आई। जिला मुख्यालय पर नौ नवंबर को 372 और मंगलवार को 175 एक्यूआइ दर्ज किया गया। पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों में वायु प्रदूषण में उतार–चढ़ाव दिखता है। वर्ष 2020 में एक्यूआइ 227 था, जो 45 प्रतिशत गिरकर 2021 में 124 पहुंच गया। इसके बाद 2022 में 139, 2023 में 105, 2024 में 89 और 2025 में 102 एक्यूआइ दर्ज किया गया। अभी तक का वार्षिक एक्यूआइ 136 है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. योगेश वर्मा ने बताया कि वायु प्रदूषण बढ़ने से त्वचा और श्वांस के रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। सांस लेने में तकलीफ, फेफड़ों में जकड़न और अस्थमा की स्थिति बिगड़ने की शिकायतों के साथ करीब 10 प्रतिशत नए मरीज और पांच प्रतिशत मरीज ओपीडी में आए। उन्होंने बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने तथा मास्क का इस्तेमाल करने की सलाह दी। आंखों में जलन और त्वचा रोगियों की संख्या भी बढ़ी है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के पोते की राजनीतिक लांचिंग की तैयारी



संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा के दिग्गज नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद डा. रमापति राम त्रिपाठी अपने पोते मृगेन्द्र राम त्रिपाठी की राजनीतिक लांचिंग की तैयारी में हैं। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में वह यह काम पूरा कर लेना चाहते हैं। लेकिन अभी तक विधानसभा क्षेत्र फाइनल नहीं किया जा सका है। इस परिवार की राजनीतिक जमीन संतकबीरनगर व देवरिया में मानी जाती है। संतकबीरनगर से मृगेन्द्र के पिता स्व. शरद त्रिपाठी सांसद रहे हैं तो देवरिया से बाबा यानी डा. रमापति राम त्रिपाठी सांसद रहे हैं। संतकबीरनगर में खलीलाबाद व मेंहदावल में मृगेन्द्र की होर्डिंग पहले से नजर आ रही थी लेकिन दीपावली के अवसर पर सहजनवा में भी होर्डिंग–बैनर टांग दिया गया है।

डा. रमापति राम त्रिपाठी राजनीति के कुशल रणनीतिकार माने जाते हैं। वह 3 वर्षों तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने बेटे शरद त्रिपाठी को संतकबीरनगर से टिकट दिलाने में कामयाब रहे थे। खुद भी देवरिया से टिकट प्राप्त किया और चुनाव भी जीते। अब उनका पूरा फोकस पोते को जनप्रतिनिधि बनाकर उसका राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने पर है। यही कारण है कि विधानसभा के रूप में कई विकल्प रखे गए हैं लेकिन हर जगह राह कठिन नजर आ रही है। जानिए कहां क्या दिक्कत है संतकबीरनगर जिले में इस परिवार की सक्रियता सबसे ज्यादे मानी जाती है। यहां की दो सीटें सामान्य हैं। पहली खलीलाबाद और दूसरी मेंहदावल। दोनों ही सीटों से ब्राह्मण विधायक हैं। जातिगत समीकरण के लिहाज से खलीलाबाद की सीट भाजपा के लिए कठिन मानी जा रही है। वहीं मेंहदावल को अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है लेकिन मेंहदावल सीट, निषाद पार्टी के खाते में है। डा. त्रिपाठी हर हाल में मृगेन्द्र को भाजपा से लड़ाना चाहते हैं।

देवरिया जिले में देवरिया सदर सीट भी ब्राह्मणों के लिए मुफीद मानी जाती है लेकिन वहां के कुछ लोग लगातार बाहरी का मुद्दा उठाते रहते हैं। उन्हें मनाना आसान नहीं होता। बात सहजनवा विधानसभा क्षेत्र की करें तो यहां से भी ब्राह्मण विधायक हैं। उम्मीद यही है कि इस बार भी भाजपा यहां ब्राह्मण उम्मीदवार पर ही भरोसा जताएगी। यही कारण है कि सहजनवा के कई क्षेत्रों में भी मृगेन्द्र राम की होर्डिंग लगाई गई है। इसकी शुरुआत पिपरौली के पूर्व प्रमुख संजय दूबे ने की है।

संजय दूबे के सगे भाई पवन दूबे खड़डा से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनका समर्थन सपा के साथ है। फिलहाल मृगेन्द्र की सहजनवा में लगी होर्डिंग ने नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com